

## आज तुम्हे कहती है रुक्मण रानी

आज तुम्हे कहती है रुक्मण रानी,  
आर्वी कुण्डला वालेया, आर्वी हारा वालेया ॥

पिता मेरे ने मन मे विचारा, वर ले रुक्मण श्याम प्यारा |  
भाई मेरे ने जुलम कमाया, शिशुपाल वेआवन आ गया ॥

रुक्मण रानी लिख रही पाती, श्याम सुन्दर मेरे बन जाओ साथी |  
दासी तेरी अरज गुजरे, शिशुपाल वेआवन आ गया ॥

विप्र तुर पड़े रात बाराती, जा मोहन को दीनी पाती |  
पाती पड़ कर ला ली छाती, और रथ को खूब सजा लिया ॥

मोहन तुर पड़े सुबह सवेरे, जा मन्दिर मे ला लाये डेरे |  
रुक्मण आई करने पूजा, बाजु पकड़ रथ मे बिठा लिया ॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/38/title/aj-tenu-kehndi-e-rukman-raani>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |